समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

UPSC मे मां की जीत ! दो साल के बेटे के साथ रचा इतिहास, पढ़े पुंष्पलता यादव की संघर्षगाथा ।

Publisher

Published on 18 Jun 2025

हरियाणा के गांव से निकली पुष्पलता यादव ने मां होने की जिम्मेदारी निभाते हुए UPSC CSE मे हांसिल की ऑल इंडिया रैकं 80 ।

नई दिल्ली, जून 2025: पुष्पलता यादव की सफलता सिर्फ एक रैकं नहीं, बल्कि मातृत्व, संघर्ष और आत्मविश्वास की प्रतीक है ।

हरियाणा के **रेवाड़ी जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर UPSC जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा मे ऑल इंडिया रैकं 80 हासिल करने वाली पुष्पलता यादव** ने यह साबित कर दिया कि सपनों की ऊंचाई बच्चे की लोरी से भी ऊपर पहुंच सकती है ।

गांव से शुरू हुई सफलता की उड़ान

पुष्पलता हरियाणा के खुसपुरा गांव की रहने वाली हैं । गांव के स्कूल से पढ़ाई की, फिर **साइंस मे ग्रेजुएशन और MBA** की पढ़ाई पूरी की । एक **प्राइवेट जॉब** से शुरुआत हुई, लेकिन दिल में था कुछ बड़ा करने का सपना ।

बैकिंग से अफसर बनने का सफर

प्राइवेट नौकरी के साथ उन्होंने **बैकिंग परीक्षाओं** की तैयारी की और **स्टेट बैकं ऑफ हैदराबाद** में **असिस्टेटं मैनेजर** बनीं । लेकिन **UPSC का सपना** अब भी ज़िंदा था । इसी जुनून के चलते उन्होंने नौकरी छोड़ दी और **UPSC** की ओर रुख किया ।

मां बनीं, पर सपना नहीं भूलीं

शादी के बाद एक बेटे की मां बनना उनके जीवन का सबसे खूबसूरत हिस्सा था, लेकिन यही सबसे कठिन भी ।

बच्चे की देखभाल के साथ पढ़ाई करना आसान नहीं था, लेकिन पति और परिवार का समर्थन उनके लिए ऊर्जा का काम करता रहा।

सुबह 4 बजे की पढ़ाई और संघर्ष का सफर

१. **सुबह 4 बजे उठना**

२. **बेटे की देखभाल, घर के काम**

३. दोपहर और रात में पढ़ाई

४. **दो असफल प्रयासों के बावजूद नहीं टूटीं**

तीसरे प्रयास मे रंचा इतिहास

साल 2017 में अपने तीसरे प्रयास में **UPSC CSE मे ÄIR 80** हासिल कर पुष्पलता ने खुद को और अपने परिवार को गौरवान्वित किया। उनकी यह सफलता हर उस महिला के लिए मिसाल है जो दोहरी जिम्मेदारियों के बीच भी अपने सपनों से समझौता नहीं करती।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.